# अपने श्रीगुरु से एक प्रार्थना

## ~ गुरुमाई चिद्विलासानन्द

*यह गुरुमाई चिद्विलासानन्द द्वारा रचित कविता है। यह उनके सीज़न्स् ग्रीटिंग्स् २०२२ के एक अनुभव को अभिव्यक्त करती है। इस कविता के विषय में अधिक जानने हेतु 'काव्यप्रेम के लिए'—इस परिचय को पढ़ें।*

आपकी सिखावनियों में, मैं हूँ।

आपके नामसंकीर्तन में, मैं हूँ।

आपके ध्यान में, मैं हूँ।

आपके मौन में, मैं हूँ।

आपके माधुर्य में, मैं हूँ।

आपकी अच्छाई में, मैं हूँ।

आपकी दृष्टि में, मैं हूँ।

आपकी तीर्थयात्रा में, मैं हूँ।

आपकी उपस्थिति में, मैं हूँ।

आपकी सेवा में, मैं हूँ।

आपकी कामना में, मैं हूँ।

आपके प्रज्ञान में, मैं हूँ।

आपकी कृपा में, मैं हूँ।

आपके प्रकाश में, मैं हूँ।

आपके अस्तित्व में, मैं हूँ।

आपके प्रेम में, मैं हूँ . . .

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।